6/4/2020----वैश्विक लैंगिक अंतराल पर विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट (World Economic Forum Report on Global Gender Period – Social Issues)- Examrace----Downloaded from examrace.com'

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

Examrace

वैश्विक लैंगिक अंतराल पर विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट (World Economic Forum Report on Global Gender Period – Social Issues)

Get unlimited access to the best preparation resource for IAS : Get detailed illustrated notes covering entire syllabus: point-by-point for high retention.

विश्व आर्थिक मंच ने वैश्विक लैंगिक अंतराल पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसके प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं-

• इस रिपोर्ट में भारत को लैंगिक आधार पर आर्थिक भागेदारी और अवसरों की उपलब्धता के अंतराल के मामले में वैश्विक स्तर पर 145 देशों की सूची में 139वां स्थान मिला है।

• भारत में "महिला श्रम शक्ति भागीदारी" की दर 1991 के 35 प्रतिशत के स्तर से गिर कर 2014 में 27 प्रतिशत हो गई, जबकि वैश्विक अनुपात वर्तमान में लगभग 50 प्रतिशत है।

• एक गैर लाभकारी अनुसंधान (द (यह) कॉन्फ्रेंस (सम्मेलन बोर्ड मंडल) ऐक्सटेनसिव (व्यापक/विस्तीर्ण) सर्वे) के अनुसार भारत महिला नेतृत्व के मामले में विश्व के सबसे खराब रिकॉर्ड (दर्ज करना) वाले 48 देशों में से एक है।

• अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार रोजगार के क्षेत्र: में लैंगिक अंतराल को कम करने से भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 27 प्रतिशत तक बढ़ सकता हैं।

• सितंबर 2015 में 'बीजिंग घोषणापत्र' की 20वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया। बीजिंग घोषणापत्र महिला अधिकारों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है, जो कि महिला अधिकारो यथा-हिंसायुक्त वातावरण में जीने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, समान वेतन तथा निर्णय लेने में भागीदारी आदि का समर्थन करता है।

महिला कामगारों की संख्या बढ़ाने के कुछ उपाय

• कार्मिक संस्थाओं को अपने कर्मचारियों की विविधता बनाए रखने के लक्ष्य दिए जाएँ, ताकि संस्थाएँ योग्य महिलाओं को रोजगार प्रदान करें।

• मातृत्व अवकाश की अवधि का विस्तार किया जाए।

• संस्था के अंदर यह मूल्य विकसित किया जाए कि महिला कार्मिकों की संख्या में वृद्धि संस्था के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

• आदर्श कर्मचारी की उस परंपरागत परिभाषा पर भी सवाल उठाया जाया जाना चाहिए, जिसके अनुसार संस्था के हित में 24 घंटों उपलब्ध कर्मचारी को श्रेष्ठ व आदर्श माना जाता है।

• महिला कर्मचारियों के अपने आदर्श बनाए जाने चाहिए, ताकि महिला कार्मिकों को और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

• कार्यस्थल का लचीलापन बढ़ाया जाना चाहिए एवं विश्राम अवकाश तथा घर से कार्य किए जाने की कार्यप्रणाली भी अपनाई जा सकती है। लैंगिक पूर्वाग्रहों के विरुद्ध जागरूकता फैलाई जानी चाहिए।

• लैंगिक पूर्वाग्रहों के विरुद्ध जागरूकता फैलाई जानी चाहिए।

Developed by: Mindsprite Solutions